Comparative politics

* ईस्टन के आगत - निर्गत विश्लेषण से पता चलता है कि राजनीतिक व्यवस्था का परिचालन पर्यावरण की शक्तियों से होता है जो उसके प्रति मांगों और समर्थन व्यक्तियों के निर्णयों के रूप में प्रकट होती है।
* ईस्टन के आगत - निर्गत विश्लेषण को उस क्षेत्र में प्रयोग कहा जा सकता है जिसे 'राजनीतिक व्यवस्था का प्रवाह प्रतिमान' कहा गया है।
* आमण्ड के आगत - निर्गत विश्लेषण की सबसे प्रमुख विशेषता यह है कि उसने विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के कार्यों की ओर निर्देश करके निर्गत पहलू की अवहेलना कर दी है जिन्हें सरकार के तीनों अंगों के कार्यों को तुलनात्मक राजनीति के नए अध्ययन में क्रमशः नियम-निर्माण (rule making) नियम प्रवर्तन (rule-application) और नियम-न्यायनिर्णय विभाग कहा गया है।

आगत चर (Input Variables) आमण्ड चार आगत चरों का उल्लेख करते हैं।

क- राजनीतिक सामाजीकरण और भर्ती (political socialization and recruitment)
ख- हित अभिव्यक्ति (Interest articulation)
ग- हित समूहन - Interest aggregation)
घ- राजनीतिक संचार -(political communication)

* राजनीतिक सामाजीकरण राजनीतिक संस्कृति में दीक्षित होने की प्रक्रिया है और इसके परिणामस्वरूप किसी व्यवस्था के सदस्यों के बीच अपनी राजनीतिक व्यवस्था के प्रति अभिवृत्तियों और विश्वासों का विकास होता है।
* हित अभिव्यक्ति का चर उन संगठित

अवयव की विद्यमानता और भूमिका की ओर संकेत करता है जो अपने विशिष्ट हितों की प्रतिरक्षा और प्रवर्द्धन के लिये अपनी भूमिका का निर्वाह करते हैं।

* हित समूहन का यह उन रानजीतिक दलों की विद्यमानता और भूमिका की ओर निर्देश करता है जो कई हितों को एकत्रित करते हैं और ऐसे कार्यक्रमों की भर्ती की व्यवस्था करते हैं जो समाज के विशेष प्रतिमान के प्रति प्रतिबद्ध हो।

* राजनीतिक सम्प्रेषण अथवा संचार से अभिप्राय उस माध्यम से है जिसके जरिये राजनीतिक व्यवस्था में सब कार्य किये जाते हैं। किसी राजनीतिक व्यवस्था में उसके स्वरूप का निर्धारण करने के लिए संचार सुविधाओं का अत्यधिक महत्व होता है क्योंकि वे समाज और उसकी राजनीतिक व्यवस्था के बारे में सूचना के प्रवाह का निर्धारण करते हैं।

Pol-sc (Hons)
part-II
Paper-II

Rama Kant Pandey
A. P. (Guest)
S.R.A.P. college
Bara chakiya
B.R.A.B.U. (Muz)